

महत्वपूर्ण खबर

तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू



जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

देहरादून, 19 जून 2025 (ए।)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के उत्तराखण्ड दौरे पर देहरादून पहुंच चुकी हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन पर गुरुवार को जौलीग्रांट एयरपोर्ट में राज्यपाल लॉफ्टनेट जनरल गुप्ती सिंह (से नि) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, डॉ धन सिंह रावत, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देहरादून में राष्ट्रपति निकेतन में आयोजित उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय दृष्टि विकलांग व्यक्ति सशक्तिकरण संस्थान में आयोजित स्पेशल बच्चों के कार्यक्रम में शामिल होंगी। यही नहीं, 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर पुलिस लाइन में आयोजित योग कार्यक्रम में योग करेंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उत्तराखंड दौरे को लेकर पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित वीवीआईपी भ्रमण और प्रवास कार्यक्रम के मद्देनजर अधिकारियों ने सुरक्षा इयूटी में नियुक्त पुलिस बल को ब्रीफ भी कर दिया है।

सीएमओ पर गिरी गाज



कानपुर, 19 जून 2025 (ए।)। कानपुर में चल रहे डीएम वीएस सीएमओ विवाद में आखिरकार मुख्य चिकित्साधिकारी पर गाज गिर गई। शासन स्तर से सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी को सस्पेंड कर दिया गया है। उनकी जगह श्रावस्ती के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी उदय नाथ को कानपुर का नया सीएमओ बनाकर भेजा गया है। डॉ हरिदत्त नेमी को कानपुर से ना हटाने की पैरवी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से लेकर भाजपा के कई विधायकों ने की थी।

उत्तर प्रदेश के गाजियबाद में

एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे युवक को थाने के बाहर कई गोलियां मारी



गाजियाबाद, 19 जून 2025 (ए।)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में पुलिस की नाक के नीचे अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। घटना मुरादनगर थाने के बाहर बुधवार आधी रात को हुई है। मृतक की पहचान मिल्क रावली निवासी युवक रवि शर्मा (38) के रूप में हुई है।

अली की मेहमाननवाजी में डिप्टी जेलर व वार्डन सस्पेंड

प्रयागराज, 19 जून 2025 (ए।)। उत्तर प्रदेश की जेलों में माफियाओं और उनके रिश्तेदारों की बादशाहत एक बार फिर उजागर हुई है। माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद की नैनी सेंट्रल जेल में खास खातिरदारी का मामला सामने आया है। जेल प्रशासन की एक औचक चेंकिंग के दौरान अली की बैरक से न केवल आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई, बल्कि उसके पास से नकद रुपये भी मिले। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

अली के बैरक से बरामद हुए प्रतिबंधित सामान और नकदी
मंगलवार को डीआईजी जेल राजेश श्रीवास्तव ने अचानक नैनी जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान अतीक अहमद के बेटे अली की बैरक की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैरक से कई आपत्तिजनक वस्तुएं और नकद 1100 रुपये बरामद हुए। जांच



मिलीभगत का खुलासा, दो अफसर सस्पेंड...

घटना की जानकारी मिलते ही डीजी जेल ने सख्त कार्रवाई करते हुए डिप्टी जेलर कांति देवी और हेड वार्ड संजय द्विवेदी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं और डीआईजी जेल को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। नैनी सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने मीडिया को बताया कि एक वकील मुलाकाती के रूप में अली से मिलने आया था, जिसने उसे 1100 रुपये दिए। यह रुपये टोकन के माध्यम से उपयोग किए जाने चाहिए थे, लेकिन अली ने नियमों का उल्लंघन करते हुए उन्हें अपने पास रख लिया।

के दौरान अली ने वह नकदी वहां मौजूद जेल वार्डन को सौंप दी, लेकिन यह पूरा वाक्या जेल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया। जेल नियमों के अनुसार किसी भी बंदी के पास नकदी रखना पूरी तरह प्रतिबंधित है। अली ने यह पैसा जेल प्रशासन के निर्धारित टोकन सिस्टम के तहत उपयोग करने के बजाय अपने पास छिपाकर रखा था। पूछताछ में सामने आया कि अली को यह पैसा एक वकील मुलाकाती के जरिए मिला था।

24 घंटे सीसीटीवी निगरानी के

बावजूद थांघली

नैनी जेल के भीतर अतीक अहमद के करीब 60 से अधिक सहयोगी और गुर्गों भी बंद हैं। अली की बैरक को अति-सुरेक्षित श्रेणी में रखा गया है, जहां 24 घंटे सीसीटीवी की

निगरानी रहती है। इसके बावजूद जेल कर्मियों की मिलीभगत से ऐसे प्रतिबंधित सामान का मिलना जेल प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पहले भी सामने आ चुका है ऐसा मामला

यह कोई पहला मामला नहीं है जब युपी की जेलों में माफिया परिवार के सदस्यों को वीआईपी ट्रीटमेंट मिला हो। इससे पहले चित्रकूट जेल में मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी की भी विशेष खातिरदारी का मामला उजागर हुआ था। वहां अफसरों की मिलीभगत से अब्बास अंसारी अपनी पत्नी निकहत के साथ घंटों जेल के एक विशेष कमरे में मुलाकात करता था। बाद में छापेमारी में निकहत को भी रो हाथ पकड़ा गया और जेल भेजा गया। अब्बास को तत्पश्चात कांसगांज जेल स्थानांतरित किया गया और कई जेल अफसरों पर कार्रवाई हुई।

माफिया राज पर लगातार चुनौती

इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश की जेलों में माफियाओं का दबदबा अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जेल में रहकर भी ये लोग न सिर्फ कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि सिस्टम की मिलीभगत से अपनी सुविधाजनक जिंदगी भी जी रहे हैं। जेल में कैद अपराधियों को मिलने वाली विशेष सुविधा, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही को यह कड़ी अब आम जनता और सरकार के लिए चिंता का विषय बनती जा रही है। माना जा रहा है कि अली अहमद के इस मामले में भी आरोप कई और जेल अफसरों पर गाज गिर सकती है।

एआई-171 विमान का ब्लैक बॉक्स भी क्षतिग्रस्त

अब कैसे पता चलेगा हादसे का कारण ?

अहमदाबाद, 19 जून 2025 (ए।)

अहमदाबाद हादसे की भयावहता में एयर इंडिया के ड्रीमलाइनर एआई-171 विमान का ब्लैक बॉक्स भी क्षतिग्रस्त हो गया है। इस बात पर संदेह है कि ब्लैक बॉक्स से कोई जानकारी मिल पाएगी या नहीं। सुनने में आ रहा है कि जानकारी प्राप्त करने के लिए ब्लैक बॉक्स को अमेरिका भेजा जा सकता है।

वया 'ब्लैक बॉक्स' में छिपा है

हादसे का कारण ?

अहमदाबाद विमान हादसे का रहस्य लंदन जाने वाले एयर इंडिया ड्रीमलाइनर एआई-171 के 'ब्लैक बॉक्स' में छिपा है। अब सारा ध्यान इस बात पर है कि आखिर हादसा कैसे हुआ? विमान का एक ब्लैक बॉक्स हादसे के एक दिन बाद बरामद हुआ था। दूसरा ब्लैक बॉक्स हादसे के तीन दिन बाद बरामद हुआ। पहला ब्लैक बॉक्स शुक्रवार को उस हॉस्टल की छत



ब्लैक बॉक्स इतना महत्वपूर्ण क्यों है ?

विमान दुर्घटनाओं की जांच में यह 'ब्लैक बॉक्स' इतना महत्वपूर्ण क्यों है? सभी विमानों में दो प्रकार के ब्लैक बॉक्स होते हैं। यह नियम है। एक है कॉन्फिडेंस रिकॉर्डर । दूसरा है फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर । दुर्घटना की स्थिति में इन दो रिकॉर्डिंग से जांचकर्ताओं के सामने क्या हुआ इसकी एक तस्वीर उभर कर आती है। फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर आंशिक और देशांतर, विमान कहाँ जा रहा था और उसकी गति कितनी थी जैसी कुल 80 प्रकार की जानकारी प्रदान करता है। शुरूआत में, विमान के अंदर की सभी घटनाओं को धातु की पट्टियों पर रिकॉर्ड किया गया था। ताकि पानी में गिरने या आग लगाने पर भी जानकारी नष्ट न हो। बाद में, उन्नत तकनीक के साथ, ब्लैक बॉक्स में चुंबकीय ड्राइव और मेमोरी चिपस लगाए गए। लेकिन इन सभी सुरक्षा उपायों के बावजूद, अहमदाबाद विमान का ब्लैक बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गया।

से बरामद हुआ, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। दूसरा ब्लैक बॉक्स मलबे के नीचे से बरामद हुआ। दोनों ब्लैक बॉक्स डीजीसीए को भेजे गए।

बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है ब्लैक बॉक्स

लेकिन के सूत्रों के अनुसार हादसे की भयावहता में दो ब्लैक बॉक्स में से एक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। भारतीय तकनीक से उस ब्लैक बॉक्स से जानकारी प्राप्त करना संभव नहीं है। इसे संभवतः अमेरिका भेजना पड़ेगा। वाशिंगटन डीसी में राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ब्लैक बॉक्स से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करेगा। भारतीय अधिकारी भी इसे लेकर अमेरिका जाएंगे।

110 भारतीय छात्रों की दिल्ली में सुरक्षित हुई वापसी

नई दिल्ली, 19 जून 2025 (ए।)। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारत ने अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए 'ऑपरेशन सिंधु' शुरू किया है। इस अभियान के तहत बुधवार, 18 जून को 110 भारतीय छात्रों को लेकर एक विशेष विमान आर्मेनिया के येरेवन से रवाना हुआ, जो गुरुवार, 19 जून की सुबह नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरा। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि तेहरान में फंसे इन छात्रों को भारतीय दूतावास के सहयोग से सुरक्षित निकाला गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स



पर कहा, भारत सरकार ने ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए ऑपरेशन सिंधु शुरू किया है। हम अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। जानकारी के अनुसार, ईरान ने संघर्ष के चलते अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था, जिससे हजारों भारतीय, खासकर छात्र, वहां फंसे गए थे। भारत ने ईरान से अनुरोध कर सुरक्षित निकासी के

लिए वैकल्पिक रास्ते उपलब्ध कराए। छात्रों को अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के रास्ते निकाला गया। इस प्रक्रिया में आर्मेनिया के ज्वांटनोट्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से विशेष उड़ान की व्यवस्था की गई। भारतीय दूतावास ने ईरान में 24*7 कंट्रोल रूम स्थापित किया है, जो फंसे हुए नागरिकों को सहायता प्रदान कर रहा है। अनुमान है कि ईरान में 4,000 से अधिक भारतीय नागरिक हैं, जिनमें अधिकांश छात्र हैं। भारत ने ईरान और आर्मेनिया के सहयोग की सराहना की है, जिनके समर्थन से यह निकासी संभव हो पाई।

जल्द ही अंग्रेजी बोलने वालों को महसूस होगी शर्मिंदगी

गृह मंत्री अमित शाह ने क्यों कही ये बात

नई दिल्ली, 19 जून 2025 (ए।)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय भाषाओं के महत्व पर बल देते हुए कहा कि राष्ट्रीय पहचान उसकी भाषा से होती है। उन्होंने भारत की भाषाई विरासत को पुनर्जीवन देने और देशी भाषाओं पर गर्व के साथ वैश्विक नेतृत्व करने का आह्वान किया।

विदेशी भाषा से नहीं समझ सकते देश

शाह ने कहा, जल्द ही अंग्रेजी बोलने वालों को शर्मिंदगी महसूस होगी। दृढ़ संकल्पित लोग ही समाज में बदलाव ला सकते हैं। हमारी भाषाएं हमारी संस्कृति



के रह हैं। इनके बिना हम सच्चे भारतीय नहीं कहला सकते। देश, संस्कृति, इतिहास और धर्म को समझने के लिए कोई विदेशी भाषा पर्याप्त नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि भारतीय भाषाओं को अपनाना हमारी पहचान को मजबूत करेगा।

प्रधानमंत्री के पंच प्रण का जिक्र
शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंच प्रण का उल्लेख किया, जिसमें विकसित भारत

का लक्ष्य, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और नागरिकों में कर्तव्य की भावना शामिल है। उन्होंने कहा, ये पांच संकल्प देशवासियों की प्रतिज्ञा बन चुके हैं। 2047 तक विकसित भारत की यात्रा में हमारी भाषाएं अहम भूमिका निभाएंगी।

प्रशासन में सहानुभूति की जरूरत

गृह मंत्री ने पूर्व आईएएस अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री की पुस्तक में बंद स्वयं, खुद सागर हूँ के विमोचन के दौरान प्रशासनिक प्रशिक्षण में सुधार की वकालत की। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रशिक्षण मॉडल ब्रिटिश काल से प्रेरित है, जिसमें सहानुभूति का अभाव है।

फरार हिस्ट्रीशीटर बना नकली औरत... पुलिस ने किया मामले में बड़ा खुलासा

जोधपुर, 19 जून 2025 (ए।)। राजस्थान के जोधपुर से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस से बचने के लिए महिला का वेश धारण कर लिया। साड़ी-ब्लाउज पहनकर, हाथों-पैरों की वैक्सिंग कराकर और गले में मंगलसूत्र डालकर वह अपने ही घर में घूँघट ओढ़े बैठा था। पुलिस जब उसे पकड़ने पहुंची, तो उसने महिला बनकर इशारों में बताया कि दयाशंकर घर पर नहीं है।

लेकिन पुलिस उसकी हरकतों को भांप गई और मौके पर ही उसे दबोच लिया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी



कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मां-बाप ने बेटी को गला दबाकर बेरहमी से मार डाला

बागपत, 19 जून 2025 (ए।)। जिले के बड़ौत क्षेत्र के लुहरी गांव में प्रेम प्रसंग के चलते मां-बाप ने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके शव को जला दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बेटी के प्रेमी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव के अवशेष बरामद किए हैं। जबकि प्रेमी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी मां-बाप को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रेमी ने युवती के रिश्तेदारों पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया है। लुहरी गांव निवासी शिवानी (22) का पड़ोस के ही रहने वाले अंकित से पिछले 5 साल से प्रेम संबंध था। दोनों अलग-अलग जाति के हैं। एक-दूसरे से शादी भी करना चाहते बताया जा रहा है कि दोनों ने अपने-अपने घर में



प्रेम संबंध का इजहार करते हुए शादी की इच्छा जताई थी। लेकिन शिवानी के घरवाले इसके लिए तैयार नहीं थे। नाराज घरवालों ने शिवानी पर रोक-टोक भी लगाई, लेकिन अंकित से उसका रिश्ता जारी रहा। आरोप है कि इसी के चलते शिवानी

के परिजनों ने मंगलवार देर रात उसकी गला दबाकर हत्या कर दी और साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव जला दिया। शिवानी से बात होने पर अंकित को आशंका हुई। इसके बाद उसकी मौत की जानकारी हुई। अंकित ने पुलिस को इसकी सूचना

दी। जिसके बाद पुलिस ने शिवानी के शव के अवशेष बरामद किए। अंकित की तहरीर पर शिवानी के पिता संजु और मां बबीता के खिलाफ केस दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अंकित का आरोप है कि शिवानी के परिजन और रिश्तेदार लगातार दोनों के रिश्ते का एक लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कोचिंग टस्कर्स केरल फ्रेंचाइजी से संबंधित मामले में बीसीसीआई की याचिका को खारिज करते हुए उसे 538 करोड़ रुपये का मुग्तान करने का आदेश दिया है।



बीसीसीआई को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ा झटका

आईपीएल की पुरानी टीम कोचिंग टस्कर्स को देने होंगे 538 करोड़ रुपये

मुंबई, 19 जून 2025 (ए।)। इंडियन प्रीमियर लीग से जुड़े एक लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को बड़ा झटका लगा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कोचिंग टस्कर्स केरल फ्रेंचाइजी से संबंधित मामले में बीसीसीआई की याचिका को खारिज करते हुए उसे 538 करोड़ रुपये का मुग्तान करने का आदेश दिया है।

संपादकीय

सुलभ,पारदर्शी और समावेशी न्याय सबकी जरूरत

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई का यह कहना कि न्यायिक निर्णय लेने में प्रौद्योगिकी को मानव मस्तिष्क का स्थान नहीं लेना चाहिए अत्यंत विचारणीय तथ्य है, प्रौद्योगिकी मानव मस्तिष्क का स्थान भला कैसे ले सकती है जबकि उसकी भूमिका सहायक से अधिक नहीं हो सकती।न्यायमूर्ति गवई लंदन विविद्यालय से संबद्ध स्कूल ऑफ ऑरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में भारतीय कानूनी पणाली में प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उनका यह कहना बिल्कुल उचित है कि स्वाभावित वाद सूचियों, डिजिटल कियोस्क और आभासी सहायकों जैसे नवाचारों का स्वागत किया जा सकता है। पर विवेक,सहानुभूति और न्यायिक व्याख्या बेशकीमती हैं।प्रौद्योगिकी इनका स्थान कभी नहीं ले सकती। भारत के पास तकनीकी दक्षता,दूरदर्शिता और लोकतांत्रिक जनादेश है, जिससे समानता, सम्मान और न्याय के हमारे मूल्यों को प्रतिबिंबित करने वाली पणालियां विकसित की जा सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश का पद ग्रहण करते ही न्यायमूर्ति गवई ने न्यायपालिका में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उभरती प्रौद्योगिकियों के नैतिक उपयोग पर उच्चतम न्यायालय के अनुसंधान और योजना केंद्र के साथ चर्चा की शुरुआत की थी।प्रधान न्यायाधीश की इस बात से सहमत हुए बिना नहीं रहा जा सकता कि प्रौद्योगिकी का उपयोग मानवीय विवेक का स्थान लेने के लिए न किया जाए। हालांकि कुछ मामलों में न्यायपालिका ने प्रौद्योगिकी को अपनाया शुरू किया है, लेकिन एआई के इस्तेमाल के मामले में केस प्रबंधन से लेकर कानूनी अनुसंधान, और दस्तावेज के अनुवाद तक भरपूर सावधानी जरूरी है। दुनिया भर में कानूनी पणालियों में एआई के नैतिक उपयोग पर गंभीर बहस चल रही है। एल्गोरिदम संबंधी पूर्वाग्रह, गलत सूचना, आंकड़ों में हेरफेर और गोपनीयता जैसे मामलों ने सबकी चिंता बढ़ाई हुई है। पीडित की पहचान उजागर होने का खतरा भी बना रहता है। इस मामले में स्पष्ट प्रोटोकॉल नहीं है। दूसरे एआई उपकरणों के उचित विनियमन और निगरानी के अभाव में वे मनगढ़ंत उद्धरण या पक्षपातपूर्ण सुझाव दे सकते हैं। न्याय तक पहुंच केवल न्यायपालिका को निम्नकारी नहीं है। यह एक साझा राष्ट्रीय प्रतिबद्धता है। सुलभ,पारदर्शी और समावेशी न्याय सबकी जरूरत है।

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल



अजय कुमार
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई हालिया टेलीफोनिक बातचीत वैश्विक कूटनीति और भारत की विदेश नीति के लिहाज से एक अहम मोड़ साबित हुई है। लगभग 35 मिनट तक चली इस बातचीत ने न सिर्फ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुई, बल्कि भारत-पाकिस्तान तनाव,ऑपरेशन सिंदूर और भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा को लेकर भी बड़े स्तर पर रणनीतिक विमर्श सामने आया। हालांकि यह मुलाकात जी-7 सम्मेलन के दौरान आमने-सामने होने वाली थी,लेकिन ट्रंप की अमेरिका वापसी के कारण दोनों नेताओं को फोन पर बात करनी पड़ी। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प और चर्चित पहलु यह रहा कि ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी ने विमर्शता पूर्वक ठुकरा दिया,और इसकी वजह सिर्फ राजनयिक व्यस्तता नहीं थी, बल्कि गहरी रणनीतिक सूझबूझ और राजनीतिक परिपक्वता की इसके पीछेकाम कर रही थी। बातचीत की शुरुआत ट्रंप के उस अनुरोध से हुई जिसमें उन्होंने

प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे कनाडा से लौटते समय अमेरिका रुकते हुए जाएं और व्हाइट हाउस में उनसे मिलें। परंतु, पीएम मोदी ने यह न्योता यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उन्हें अपनी पहले से तय कोएशिया यात्रा के लिए निकलना है। यह निर्णय सिर्फ औपचारिक कारणों से नहीं था, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा राजनीतिक संकेत छुपा हुआ था। दरअसल, उसी दिन ट्रंप के साथ पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की लंच पर बैठक पहले से निर्धारित थी। ऐसे में पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा राजनीतिक रूप से भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती थी। एक ही दिन, एक ही जगह भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फौजी प्रमुख का उपस्थित होना न केवल भारत की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर करता,बल्कि वैश्विक पटल पर गलत संदेश भी जाता। इस बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर विशेष चर्चा का विषय रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को विस्तार से बताया कि कैसे भारत ने 6-7 मई की रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह सैन्य कार्रवाई सटीक,नपों-तुली और गैर-भड़काऊ थी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद को एक 'सीमित' प्रॉक्सि वॉर' नहीं, बल्कि एक पूर्ण युद्ध के रूप में देखता है। मोदी ने बताया कि पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत ने गोले से दिया है, और यह नीति भविष्य में भी जारी रहेगी।



प्रधानमंत्री ने ट्रंप से यह भी कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में कभी भी अमेरिका की ओर से कोई मध्यस्थता नहीं हुई,न ही भारत ने इसकी कोई मांग की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न भविष्य में करेगा। यह बात भारत की विदेश नीति की आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान को दर्शाती है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बाद में इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सैन्य कार्रवाई को रोकने की बात भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच सीधे सैन्य चैनल के जरिए हुई थी, और वह भी पाकिस्तान के आग्रह पर। इस वार्ता के दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप को क्राइड की अगली बैठक के लिए भारत आने का न्योता भी दिया। ट्रंप ने यह न्योता स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। इसके अतिरिक्त दोनों नेताओं ने इजरायल-ईरान तनाव, रूस-यूक्रेन युद्ध और हिं-

और रोचक बात सामने आई कि प्रधानमंत्री मोदी की कोएशिया यात्रा को प्राथमिकता देना सिर्फ एक तय कार्यक्रम का हिस्सा नहीं था, बल्कि रणनीतिक रूप से सोचा-समझा निर्णय था। अगर मोदी अमेरिका जाते और उसी दिन व्हाइट हाउस में आसिम मुनीर भी मौजूद होते, तो यह दृश्य दुनिया को भारत की कमजोरी या कूटनीतिक भ्रम का संकेत दे सकता था। भारत की यह परिपक्वता बताती है कि अब हमारी विदेश नीति किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव में नहीं चलती, बल्कि देशहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लिए जाते हैं।अमेरिका मीडिया और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार ट्रंप ने शायद एक ओवररस्पाट चाल चली थी एक और पाकिस्तान के सेना प्रमुख को बुलाना, और दूसरी ओर मोदी को भी उसी दिन आमंत्रित करना। लेकिन भारत ने समय रहते इस चाल को समझ लिया और इससे खुद को अलग रखा। इस प्रकार की राजनीतिक सतकता और परिपक्वता भारत को वैश्विक मंच पर एक ठोस और भरोसेमंद ताकत के रूप में स्थापित करती है। बातचीत के बाद ट्रंप ने भी इस बात को स्वीकार किया कि भारत अब आतंकवाद विरोधी नीति न सिर्फ स्पष्ट है, बल्कि निर्णायक भी है। उन्होंने भारत की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। भारत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अब वह हर आतंकी हरकत का जवाब अपनी शर्तों पर देगा और

अंतरराष्ट्रीय समर्थन की प्रतीक्षा नहीं करेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने भारत की विदेश नीति के दो प्रमुख पहलु उजागर किए एक,आतंकी घटनाओं को लेकर भारत की सख्त और स्पष्ट नीति; और दूसरा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आत्मनिर्भर और निर्णायक रुख। ट्रंप के साथ यह बातचीत एक ओर भारत-अमेरिका संबंधों की गहराई को दर्शाती है, तो दूसरी ओर भारत की स्वायत्तता और कूटनीतिक सूझबूझ का प्रमाण भी देती है। टेलीफोन पर हुई इस बातचीत से यह स्पष्ट हो गया है कि भारत अब किसी की मध्यस्थता या समर्पति को मोहताज नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में भारत पूरी तरह से अपने निर्णय खुद ले रहा है। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिका में न रुकने का निर्णय एक तरह से राजनीतिक परिपक्वता, रणनीतिक सोच और राष्ट्रीय स्वाभिमान का बेहतरीन उदाहरण है। अंततः यह वार्ता केवल 35 मिनट की एक औपचारिक बातचीत नहीं थी,बल्कि यह एक संदेश था दुनिया को, पाकिस्तान को, और शायद अमेरिका को भी कि नया भारत अपने हितों के लिए हर मोर्चे पर सतर्क, संप्रभु और संकल्पित है। ऑपरेशन सिंदूर से लेकर अमेरिका में न रुकने तक, हर निर्णय में भारत की विदेश नीति की परिपक्वता और रणनीतिक सोच साफ तौर पर दिखाई देती है। यही कारण है कि अब दुनिया भारत की बात सिर्फ सुनती नहीं, उस पर गंभीरता से विचार भी करती है।

गूगल गुरु के ज्ञान से विश्वास खोता पत्रकार और पत्रकारिता



आत्माराम यादव जीव
ग्वालियर,मध्यप्रदेश

जहां सबेरा है,वही बसेरा है और बसनेवाले कई किस्म के है। आजकल यू-ट्यूबर- व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम कुटुंबाप, फेसबुक आदि पर विशेष प्रकार की वाहियात अफूलमंद ज्ञानी बेशर्मियों की कब्जेवाली मीडिया खरपतार गाजरसों की तरह फ़ोल चुकी है,इससे बचने के सारे उपाय असफल है। जिसने सभी कामाज कलम छुआ नहीं वही गूगल गुरु की प्रेरणा से गीतकार,साहित्यकार और पत्रकार बन गया है और खुद को किसी बड़े उस्ताद से कम नहीं आंककर बिदास खबरे लिखते समय सामने वाले को गधा समझता है, इन नामुखद लंगड़ी-लुली,अंधी-बहरी कार्टूननुमा अवसरवादी मीडिया ने पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लिया है, अगर आपका शहर,गाँव उसकी चपेट में नहीं आया है तो आप किस्मतवाले है? पर आपकी बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा की आप किस्मतवाले है, क्योंकि यह बीमारी कोरोना से ज्यादा घातक है, अगर आपने सोसल डिस्टेंस कायम रखने के लिए मोबाइल और एलेक्ट्रानिक उपकरणों से दूरी बनायी है तो बात अटपटी होने से किसी के गले नहीं उतरेगी क्योंकि हर गरीब भिखारी से लेकर अमीर आदमी मोबाइल का दीवाना है और आज हर घर में 2 साल की उम्र के बच्चे से लेकर मृत्युशैया पर लेटा 100 साल का

बूढ़ा व्यक्ति भी मोबाइल की स्क्रीन में चौबीसों घंटे मुंह गढ़ाए बैठा है। इसी से यह बात प्रमाणित हो चुकी है की करोड़ों मोबाइल में दस प्रतिशत लोग अक्लमंदी के शिकार है और उनके दिमाग में भरा कचरा किसी सनसलूखेज समाचार,रपट या ज्ञानवर्धक लेख से कम नहीं इसलिए वह मीडिया बेशर्मी से समाज के सामने अपना कचराज्ञान बाँटकर अपनेआप को बुद्धिमान साबित करने की होड़ में लगा है। वे सभी जानते है की न तो उनके माता के कुलवंश मे और न ही उनके पिता के कुलवंश में किसी ने कभी कोई नाम किया है फिर भी वे अपने को चाणक्य व विधुर सा नीतिज्ञ समझ मेड इन पत्रकारों के लेबल उछालते हुये मस्त है। एक समय फाऊटेन पेन पत्रकारों की शान था आज सारे पेन गुमनामी के अंधेरे में खो गए है। मीडिया में बहती गंगा में हथ धोने की प्रतिस्पर्धा लगी है तभी इस दौड़ में हेरक अवसर पाना चाहता है। अधिकांश वे लोग जो शांट कट से धन कमाने के लिए कड़वा भी करने को तैयार हो जाते है वे अपनी सारी कड़वाहट पचाकर मीडिया ज्वाइन आ रहा है , इसलिए यह स्वार्थपरक गुगु उनका युग हो गया है जो हर अवसर को भुनाना चाहता है। विशेषकर मेरा शहर व तथाकथित पत्रकारों की एक बड़ी जमात तैयार हो चुकी है और इस जमात में इनकी संख्या में दिमादें इनका हो रहा है, जो जनता का शोषण और प्रशासनिक अधिकारियों पर निगरानी रख संकेदपोशों के साथ गढ़बंधन कर बड़ी परेशानी का कारण बनते जा रही है। एक ओर मुखधारा के रूप में माने जाने वाले इलेक्ट्रानिक चैनल है तो दूसरी ओर प्रिंट मीडिया संस्थानों में कार्य करने वाले कठपुतली

कामगार पत्रकारों की सिंगल बेनरों को कंधे पर उठाए आसानी से मैनेज हो जाने वाले पत्रकार जो एकला चलो की नीति पर अकेले सुनी सड़कों पर चलते और भीड़ के सामने बिजली सा कड़कते,बिस्फोट सा फूटते और भैंसा सा गरति दिखेंगे और सांड को देखकर भिमियाते मिलेंगे। कट केमरा एक्शन का उपयोग करने वाले टीवी चैनलों के नए एंकर दिखने में शर्मिने-लजने वाले होंगे और सबको निबाहने वाले होते है जबकि थोड़ा सा पुराने हुये एंकर जानीवारक के साथ भयंकर दिखाई देते है जो विलायती नस्ल की झबरीली को कृतिया को पाकर प्रसन्न उभरे में रहे रहते है और जब वह टॉगि पसारती है तो उस समय वे फिल्मी पंचम गीतों को बेसुरा गाते-सहलाते अपनी अंगुलिया फेरते खुश होते है और कृतिया भी अपने को धन्य समझती निहाल हो उठती है, कृतिया पपी को मिलने वाले इस आदर सत्कार से भले एंकर की घरवाली नाराज हो पर सुबह शाम झबरीली पपी को घुमाते समय के चर्चे ऑफिसों में होते है और पपी की तारीफों के पुल बांधते एंकर साहब घर बैठे लिफाफा और गिफ्ट पाते है और अन्य एंकर-संवाददाताओं के गिफ्टों का ठेका लेकर उनके लिफाफे और गिफ्ट भी हजम कर जाते है। आप सोच रहे होंगे की अब जीवनरस में क्या शेष या विशेष रह गया है जिसे व्यक्त किया जाये। अभी तक की बातें सही मायने में पत्रकार या मीडियाकर्मियों की थी जो आपको दिल को तर-तर करती सुपथ मार्ग की प्रतीत होती होंगी और उसमें बेशर्म जैसी कोई बात नहीं होगी, यदि हुई है तो उस बेशरम मीडिया की बात आनी चाहिए बात उनकी है जो अपने



पैरों पर कभी भी खड़े नहीं हो सकते, ओर न ही चल सकते है तो फिर बिना चले तरकी कैसे करेंगे, ऊपर उठने-बढ़ने के लिए नसेनी या सीढ़िया तो चढ़नी ही होगी? कितनी भी तिकड़म लगाओं? कितनी भी कोशिश करो? कितनी भी चतुराई दिखाओं? बिना टांग उठाए ये सारी चतुराई व्यर्थ ही है ? टांग नहीं उठा सकते हो तो हाथ ही उठा ले,हाथ में मुसलचंद मोबाइल को पकड़ लें, मोबाइल उठते ही मूख से भी मूख मतिमंद भी चार्ज हो उठता है और वे ज्ञानचंद्र बुद्धिप्रकाश बन जाते है। इस प्रकार तमाम मूखचंद मीडियाकर्मि विध्यासागर ही जाते है और ये सभी गूगलगुरु की कृपा का प्रसाद पाकर खुदकों पत्रकार सम्पूर्णनंद मान व्हाट्सअप, फ़ेसबुक,यू-ट्यूबर पर अपनी खबरों-सूचनाओं का महाज्ञान बुनकर एक बात के छह छह अर्थ बताकर उलझी बातों को सुलझाने और सुलझी बातों को उलझाकर अपनी मूर्खता के पट खोलते है और समझते है की पाठकों के दिमाग उनकी कलम के इस मूखज्ञान ने गिरवी रख लिए है। इन तथाकथित पत्रकारों के इस गूगलगुरु स्वरूपा भानुमती के पिटरा ज्ञान के खोफ से घबराए लोग तत्काल उनके खिलाफ आई सूचनाओं- खबरों के प्रकाशन और प्रसारण न किए जाने हेतु संधि कर सुख पाते है। 2020 में

ये सारे लोग अपने को हद दर्जे का ईमानदार बतलाकर संसेश पैदा करते है इनमें सबसे बड़ा भ्रष्ट खाऊ होता है वह कमीशन तय कर मैनेज करने का काम करता है। वह इनके कम बोलने पर रन्हे बेईमानी के तराजू में तलाते समय बोली ज्यादा लगाकर इन्हे कृतकृत कर देता है और अपना नंबर आने पर ये ही दो कोड़ी के लंगू भंगु अपने को कम तोलते है,कम नापते है,कुल मिलाकर ये अपने को ईमानदार बिकाऊ न होना बताकर बाजार में खुलेआम नीलाम कर एक ईसान होने का दर्जा छेड़ मात्र एक बिकाऊ सामग्री में शामिल हो जाते है। प्रश्न पैदा होता है की मीडिया में प्रिंट-चैनल कमजोर क्यों हुआ और गूगल गुरु का कचरा ज्ञान के भस्मासुर यू-ट्यूब आदि सभी प्रकार के सोसल मिडिया की पत्रकारिता से भस्मीभूत कब होगी?सभी जानते है आपका हो या मेरा शहर सभी को स्मार्ट शहर बनने का भूत सवार है जिसके हर गली चौराहे पर अत्याधुनिक पावरफुल केमरे लगा दिये गए है ताकि हर प्रमुख सड़क व चौराहे पर लगे केमरों की मदद से आम आदमी की बाइक एवं कार आदि के सम्बन्ध में यातायात नियमों का उल्लंघन करने के बाबत चालान होने के मामले प्रकाश में आने पर दंडित किया जा सके। इन केमरों से छोटे वाहन आटो/ लोडर/ ओवरलोड वाहनों आदि की निगरानी कर जुर्माना कर राजस्व प्राप्त किया जा सके किन्तु प्रशासन इन बातों में कालेनीमा साधु बनकर मीडिया का गुरु बनना चाहता है पर मीडिया इनका बॉस बन सार्वजनिक स्थानों के प्रमुख व्यावसायिक संस्थानों के केमरे की नजर से नजयाना वसूल कर रेतमाफिया,

शराब माफिया, अवैध खनन माफिया और पशु तस्करों के रात्रिकालीन प्रयुक्त किये जाने वाले वाहनों, टैक्सी-डम्परों जैसीबी आदि की विलुपिण की सूचना या ब्रेकिंग की जल्द ही पर्दाफास की पट्टी चलाकर आगाह कर व्हाट्सअप ग्रूप, फेसबुक, यू-ट्यूबर पर खलबल मचा देते है और सौदेबाजी होने पर गायब हो जाते है तथा जिन तथाकथित पत्रकारों के कैमरे में कटु खबर है वे वसूलीबाज पत्रकार की संज्ञा पा चुके यू-ट्यूबर पर अपनी मंशा पूरी न होने पर देखते ही देखते घने काले बादलों के तरह छा जाएँ और ये घने काले बादलों को सोसल मीडिया पर बरसात करना है, या बादलों को उड़कर ले जाना है यह सब दृश्य से डपने वालों के एक टीम सोची समझी योजना के तहत काम करती है और जैसे ही वसूली का मकसद पूरा हुआ सोशल/डिजिटल प्लेटफॉर्मस के माध्यम से इन माफिया को बचा लेती है और जो माफिया इन्हे घास नहीं डालता उनकी खबरे सनसनी - खेज खबर बन हजारों ही नहीं करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती हैं ताकि प्रशासन कार्यवाही करने को विवश हो जाये। शहर के सभी थाना क्षेत्रों में अवैध कारोबार और अर्नेतिक गतिविधियां चलती है जिससे सट्टा-जुआ, समय से पहले और शराब ठेकों पर होने की बिन्नी या उनके अवैध कच्ची-पक्की शराबों के चलित कंटीन के नजारे, घर घर शराब पहुंच सेवा का ही नमूना है। चाली अवैध कंटीनों के नजारे, वाले ट्रक, आदि की के नजारे वाहनों से के नजारे कैद कर सच्चाई को सकता है अधिकतर, यू-ट्यूब व तथाकथित पत्रकारों के कैमरे ही कैट कर बाट है।

लेकिन, संज्ञा पा तथाकथित ना पूरी टे खाते सोसल/पर प्रसारित सकते हैं। स्थानीय लेने वालों बन जाते हैं। व नर्सिंग अवैध अनेक जाने वाला सम्बन्धित से छुपा नहीं चार में देखते हुये में रहते हैं व तथाकथित वो नजारे नहीं करोड़ों बन जाते होटलों में किये गये बाद में वाली शराब पास चलने पाते हैं। इसके सौदेबाजी नी शुरू होती वसूलीबाजों की चुके यू-ट्यूबर व पत्रकारों की मंशा होने पर, देखते ही ये नजारे डिजिटल प्लेटफॉर्म होते देखे जा जिसके चलते स्तर पर नजराना के लिये सिरदर्द अवैध हॉस्पिटल होम्स अदैव निर्माणों, स्कूलों, अतिक्रमण, विकास कार्यों में किया भ्रष्टाचार, इनसे समस्त अधिकारियों है। न्योछवर के सब कुछ जानते व धृतराष्ट्र की भूमिका जबकि यू-ट्यूब पत्रकार उपरोक्त विषयक खबरों की खोज में कार्यरत रहते हैं। परिणाम यह होता है कि भ्रष्टाचार की पुष्टि करने वाले नजारे उनके कैमरों की जद में आ ही जाते हैं। विचारणीय पहलू यह है कि जिनको वेतन मिल रहा है वो भी अलग से कुछ पाने की चाहत हमेशा रखते हैं फिर तो बिना वेतन के अपना समय खर्च करने वाले यू-ट्यूब से तथाकथित पत्रकारों के मन में कुछ मिलने की चाहत पनपना स्वाभाविक है! किन्तु देखने को यह मिल रहा है कि उनकी मंशा पूरी न होने पर यो तंत्र की पोल खोलने में जुट जाते हैं। परिणाम यह होता है कि, न्योछवर खोरी करने वालों की पेशानी बढ़ जाती है। ऐसे अनेक विचारणीय बिन्दु है जिन पर बहुत कुछ लिखा जा सकता है। फिर भी अब ज्यादा कुछ न लिखते हुए अपनी कलम को आराम दे रहा हूँ।

कविता
प्यारी परी सुप्रीति ...

घटती-घटना

अंशवी चौंसिया
गांगारानी,कुशीनगर
उत्तरप्रदेश

गुरुजी के आँगन में छिटकी है रोशनी।
नाम है सुप्रीति मानो कविता बनी।।
ज्ञानदाता के आँगन में खिली है जो कली।
उसके खिलने से जगदीश्वरी हुई है मखमली।।
मन्द-मन्द मुस्कान संग मीठी-मीठी बातें।
झिलमिल सितारों वाली खिलखिलाती रातें।।
उसके कदमों की छुआन में है खुशियों की बहार।
झलके चांद से चेहेरे पर समझदारी का संसार।।
शब्दों के जादूगर की गोद में जब दिखती है।
खिलखिलाकर खुद एक नई कहानी लिखती है।।
वह गुरु जी का गर्व है और माँ की है दुआ।
उसकी हरकत से जीवन में बरकत हुआ।।
प्यारी परी सुप्रीति! तुम हँसती रहो सदा।
तुम बड़ी होकर जहाँ में रहो कहीं भी जाना।
माता-पिता का नाम रोशन करके दिखाना।

कविता
सिकलसेल रोग ...

घटती-घटना

संजय एम. तराणेकर
इंदौर
मध्यप्रदेश

यहाँ है एक अंतरराष्ट्रीय जागरूकता दिवस,
वैश्विक जनता को सिकल सेल रोग बरबस।
पहला 19 जून 2009 को आयोजित हुआ।
अभियान से जुड़े सारे संगठन आते हैं साथ,
डॉक्टर से लक्षणों के बारे में पता चले बात।
यह होता है एक जेनेटिक ब्लड डिसऑर्डर,
लाल रक्त कोशिकाओं को कर देता संकर।
यहीं है एक अंतरराष्ट्रीय जागरूकता दिवस,
वैश्विक जनता को सिकल सेल रोग बरबस।
ऐसे शरीर में आरबीसी की हो जाती है कमी,
शरीर के अंगों में ऑक्सीजन न पहुंच पाती।
समाज में फैली धारणा एवं भेदभाव मिटाना,
ऑटिस्टिक व्यक्ति भी कुशल व सृजनात्मक होने के साथ समाज के लिए मूल्यवान ही हैं।

अंतरिक्ष में भारत की खगोलीय यात्रा के 11 वर्ष हुए पूरे

केरल के थुंबा में मछली पकड़ने वाले शांत गाँव के चर्चार्थ से सार्जेंट रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन देश कितनी ऊँचाईयों को छूएगा। यह समय दृढ़ संकल्प का था, जब सितारों तक पहुँचने का सपना सीमित साधनों, लेकिन असीम महत्वाकांक्षा के साथ पर्वान चढ़ा।आज, वह सपना विकसित होकर एक राष्ट्रीय मिशन का रूप

अख्तियार कर चुका है, और जब हम नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों को चिन्हित कर रहे हैं,तो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में आमूल-चूल बदलाव आ चुका है ङ्क यह साहसपूर्ण,समावेशी और आम नागरिकों के जीवन से गहराई से संबद्ध है।यह परिवर्तन केवल रॉकेट और उपग्रहों से ही संबंधित नहीं है, अपितु यह लोगों के बारे में है। यह दर्शाता है कि दूरदर्ज के गाँव के किसान से लेकर डिजिटल

कक्षा के छात्र तक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किस प्रकार रोजमर्रा की जिंदगी की लय में खामोशी से शामिल हो चुकी है । प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अंतरिक्ष विभाग के रणनीतिक नेतृत्व में, भारत ने विकास, सशक्तिकरण और अवसर के उपकरण के रूप में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की नए सिरे से परिकल्पना की है।साल 2014 से शुरू किए गए सुधारों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। 2020 में

इन-स्पेस की स्थापना ने निजी कंपनियों को अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, जिससे नवाचारी की लहर उठी। आज, 300 से अधिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उग्रग्रह बना रहे हैं, प्रक्षेपण वाहन डिजाइन कर रहे हैं तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नेविगेशन के क्षेत्र में सेवाएँ देने वाले अनुप्रयोग विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप केवल बदीलत किसानों को अपनी

रहे हैं-वे खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवा इंजीनियरों और उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। उदारीकृत अंतरिक्ष नीति ने अंतरिक्ष सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बना दिया है,जिससे उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंच रहा है।भारत के उग्रग्रह अब मौसम पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदीलत किसानों को अपनी

बुवाई और कटाई के चक्रों की योजना अधिक सटीकता से बनाने में मदद मिलती है। बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में, उग्रग्रह डेटा प्राथमिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन और आजीविका की रक्षा होती है। चक्रवातों और सूखे के दौरान रिमोट सेंसिंग के कारण अधिकारियों को तैयार रहने और नुकसान को कम करने में मदद मिलती है।

-डॉ. जितेन्द्र सिंह-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटीक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

टीएस सिंहदेव के आरोप भ्रामक और तथ्यहीन,भाजपा सरकार किसानों की समृद्धि के लिए कृतसंकल्पित - भारत सिंह सिसोदिया'

कांग्रेस की बयानबाजी राजनीतिक कुंठा का परिणाम...सरगुजा में कृषि और विकास में ऐतिहासिक प्रगति:भारत सिंह सिसोदिया

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के भ्रामक और आधारहीन आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि श्री सिंहदेव की नकारात्मक और तथ्यहीन बयानबाजी केवल राजनीतिक कुंठा का परिणाम है। केंद्र और छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने किसानों की समृद्धि और प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

अपने प्रतिक्रिया पर श्री सिसोदिया ने बताया, कि वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के लिए 5,000 करोड़ रुपये की कृषि सहायता प्रदान की, जिसमें से 1,200 करोड़ रुपये सरगुजा संभाग के लिए आवंटित किए गए हैं। पीएम-किसान योजना के तहत सरगुजा के 2.5 लाख किसानों को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके खातों में दी जा रही है। नैनो-डीएपी और नैनो-यूरिया जैसी नवाचार योजनाओं ने खाद की लागत 30% तक कम की है,

जिससे पर्यावरण-अनुकूल खेती को बढ़ावा मिला है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार ने खरीफ 2024-25 में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान की खरीद 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सुनिश्चित की, जिससे लाखों किसानों को लाभ हुआ।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत सरगुजा में 29 मई से 12 जून 2025 तक 500 गांवों में किसान प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 20,000 किसानों ने हिस्सा लिया।

आगे उन्होंने कहा कि टीएस सिंहदेव ने सरगुजा में डीएपी और यूरिया की कमी का आरोप लगाया, जो पूरी तरह भ्रामक है। खरीफ 2025 के लिए छत्तीसगढ़ में डीएपी का कुल आवंटन 1.5 लाख मीट्रिक टन है, जिसमें से सरगुजा के लिए 24,000 टन का लक्ष्य है। 17 जून 2025 तक, सरगुजा में 3,946.24 टन डीएपी (16.44%) और 10,804 टन यूरिया (48%) उपलब्ध कराया गया है।

जून 2025 के अंत तक, अतिरिक्त 10,000 टन डीएपी और 12,000 टन

यूरिया की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे 80% से अधिक लक्ष्य पूरा होगा। सरगुजा में 5,000 टन नैनो-डीएपी का वितरण शुरू हो चुका है, जो पारंपरिक उर्वरकों का प्रभावी विकल्प है।

अब तक 1.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 40,000 मीट्रिक टन डीएपी, 15,000 मीट्रिक टन पोटाश, और 75,000 क्विंटल बीज सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक पहुंच चुके हैं। खाद वितरण की प्रक्रिया को डिजिटल पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी बनाया गया है, और 90% किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध हुआ है। सरगुजा की 12 समितियों में से 8 में इफको और 6 में डीएपी का स्टॉक उपलब्ध है, और शेष में जून के अंत तक आपूर्ति पूरी हो जाएगी।

कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है, जो कांग्रेस शासनकाल में अपने चरम पर थी।

सिंचित भूमि को असिंचित घोषित करने का दावा भ्रामक है। सिंहदेव का दावा कि 40,000 हेक्टेयर सिंचित भूमि को असिंचित घोषित किया गया, तथ्यों से

जाएगा। फसल बीमा योजना के तहत सरगुजा के 95% किसानों को प्रीमियम का लाभ मिला, और 25,000 किसानों को 60 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित किया गया। धान खरीदी में सिंचित-असिंचित का अंतर केवल तकनीकी वर्गीकरण के लिए है, और इसका किसानों की आय पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में रूस और यूक्रेन के भीषण युद्धकाल में जहाँ पूरे विश्व में उर्वरक संकट है वहाँ भारत सरकार द्वारा किसानों के लिए सभी प्रकार के उर्वरकों की व्यवस्था एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाये हैं।

फसल बीमा योजना पर उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार ने पूरे प्रदेश में 1,234 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा DBI के माध्यम से वितरित किया छ। सिंहदेव का दावा कि केसीसी ऋण वितरण केवल 30% हुआ, आंशिक और भ्रामक है। 2024-25 में छत्तीसगढ़ में 15 लाख किसानों को 12,000 करोड़ रुपये का केसीसीसी ऋण वितरित हुआ, जिसमें

सरगुजा के 1.8 लाख किसानों को 1,500 करोड़ रुपये मिले। सरगुजा में 80% से अधिक पात्र किसानों को केसीसी का लाभ मिला, और 50,000 नए केसीसी कार्ड जारी किए गए। 2024-25 में केसीसी ऋण वितरण में पिछले वर्ष की तुलना में 25% की वृद्धि हुई। डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से केसीसी आवेदन और वितरण प्रक्रिया को सरल किया गया है। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत अन्य बैंकों से ऋण लेने वाले किसानों को भी खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

श्री सिंहदेव के छोटे किसानों को चेंप योजना का लाभ नहीं मिला, कहना तथ्यहीन है।

2024-25 में सरगुजा में 10,000 छोटे और सीमांत किसानों को माइक्रो न्यूट्रीएंट्स, स्प्रेयर, और बीज निःशुल्क वितरित किए गए। छोटे किसानों के लिए 50 करोड़ रुपये और बड़े किसानों के लिए 30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, जो छोटे किसानों पर सरकार के फोकस को दर्शाता है। राष्ट्रीय खाद

सुरक्षा मिशन और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 5,000 किसानों को 50% अनुदान पर उन्नत बीज और उपकरण दिए गए। सरगुजा में 2,000 हेक्टेयर भूमि को जैविक खेती के लिए चिह्नित किया गया, जिसमें छोटे किसानों को प्राथमिकता दी गई। 1,000 कृषि मेलों में छोटे किसानों को सस्ते दामों पर उन्नत बीज और यंत्र उपलब्ध कराए गए। भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि जहाँ तक श्रीमती रेणुका सिंह और श्रीमती लता उमसेड़ी का प्रश्न है—भाजपा में योग्य कार्यकर्ताओं का सम्मान होता रहा है और उचित समय पर उन्हें जिम्मेदारी भी सौंपी गई है, साथ ही भाजपा में पद माँगने से नहीं, प्राप्ति से मिलती है, यह कांग्रेस की तरह दरबारी संस्कृति नहीं है।

श्री सिंह देव को चिंता करने की जरूरत नहीं — उन्हें आत्मचिंतन करना चाहिए।

टीएस सिंहदेव की ऐसी भ्रामक बयानबाजी केवल नकारात्मकता और राजनीतिक हताशा को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री आवास के निर्माण स्थल पर महिला से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

- संवाददाता -
बलरामपुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के वाड़फनगर थाना अंतर्गत एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है, जिसमें एक 33 वर्षीय युवक ने रात्रि के समय शौच के लिए निकली महिला को जबरन प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन मकान में खींचकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता अपने पति के साथ 18 जून 2025 को चौकी वाड़फनगर पहुंची और वहां उपस्थित अधिकारियों को एक लिखित आवेदन सौंपकर पूरी घटना की जानकारी दी। पीड़िता ने बताया कि 10 जून 2025 की रात लगभग 10 बजे वह अपने घर के बाहर शौच के लिए निकली थी। इसी दौरान राज नारायण पिता रामपति (उम्र 33 वर्ष), निवासी मदनपुर आमामारा, चौकी वाड़फनगर ने अचानक उसकी कमर पकड़कर खींचा, मुंह दबाया और पास में ही बने प्रधानमंत्री



आवास योजना के निर्माणाधीन मकान में जबरन ले जाकर बलात्कार किया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने BNS के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण वाड़फनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में करवाया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने राज नारायण को उसके निवास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। इसके बाद उसका डॉक्टर परीक्षण कराने के बाद फिर न्यायिक मजिस्ट्रेट पक्षी अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज कर आरोपी की तलाश शुरू की।

कलेक्टर ने किया खाद-बीज केंद्र का औचक निरीक्षण



» **किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के निर्देश**

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आज आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, बतौली (बिलासपुर) स्थित खाद-बीज वितरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यूरिया, इफको डीएपी, पोटाश तथा धान बीज की उपलब्धता एवं वितरण स्थिति की जानकारी ली।



कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से पूछा कि अब तक कितने किसानों को खाद एवं बीज वितरित किए गए हैं, कुल कितने किसान पंजीकृत हैं, और कितने किसानों को अभी खाद-बीज वितरित किया जाना है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को खाद-बीज प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं तथा वितरण कार्य समय पर एवं पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से भी सीधा संवाद कर यह जाना कि उन्हें खाद-बीज समय पर प्राप्त हो रहा है या नहीं। अधिकांश किसानों ने संतोष व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें खाद-बीज सुगमता से मिल रही है। कलेक्टर ने किसानों के पासबुक का अवलोकन करते हुए भी जानकारी ली और पूछा कि किसानों को समय पर भुगतान मिल रहा है या नहीं। किसानों ने बताया कि बैंक से उन्हें समय पर राशि प्राप्त हो रही है। कलेक्टर ने किसानों के बाद इंस्टाग्राम के फोटो के साथ उन्हें नियमित रूप से अपडेट करवाने के लिए कहा।

निरीक्षण के दौरान उपसंचालक कृषि श्री पीएस दीवान सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र की एक युवती का इंस्टाग्राम आईडी हैक करके फोटो को अश्लील बनाकर बाँड़ी पार्स वायरल करने की धमकी देने के मामले में पुलिस केस दर्ज करके अग्रिम जांच कार्रवाई में जुट गई है। घरेलू महिला ने पुलिस को बताया है कि अनजान मोबाइल नंबर के धारक के द्वारा उसके इंस्टाग्राम आईडी को 17 जून की रात को हैक करने के बाद इंस्टाग्राम के फोटो के साथ छेड़छाड़ करके अश्लील चित्र करने के साथ ब्लैकमेल करने में लगा है। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी के बारे में तकनीकी जानकारी हासिल करने में लगी है।

कलेक्टर पहुंचे नेत्रहीन विद्यालय कुनकुरी, निर्माणाधीन कार्यों का लिया जायजा, दिया आवश्यक निर्देश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर आज बतौली ब्लॉक के कुनकुरी स्थित नेत्रहीन विद्यालय पहुंचे, इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने डीएमएफ मद से किए जा रहे भोजन कक्ष के जीर्णोद्धार कार्य तथा अन्य निर्माण गतिविधियों की प्रगति की जानकारी ली और सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री भोसकर ने नवनिर्मित किचन रूम का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि बच्चों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं समय पर भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने डायनिंग रूम के निर्माण की सरहना करते हुए इसे बच्चों के



लिए उपयोगी बताया। बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने विद्यालय परिसर में बह रहे नाले की तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए ताकि जलमय या स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या न उत्पन्न हो। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री भोसकर ने नेत्रहीन बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई में मन लगाने और सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर बतौली जनपद पंचायत के सीईओ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फर्जी वसीयत प्रकरण में डॉ. वैभव जायसवाल को नहीं मिली अग्रिम जमानत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ममता पटेल ने चर्चित संपत्ति विवाद मामले में आरोपी शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. वैभव जायसवाल की अग्रिम जमानत याचिका को सख्त टिप्पणी करते हुए खारिज कर दिया है। अदालत ने यह आदेश गंभीर आर्थिक अपराध और साक्ष्य प्रभावित करने

की आशंका को देखते हुए दिया। मामला थाना कोतवाली अंबिकापुर में दर्ज अपराध क्रमांक 114/2025 से जुड़ा है, जिसमें धारा 420, 467, 468 एवं 120-बी भादवि के तहत डॉ. जायसवाल और उनके पिता सुरेश कुमार जायसवाल को नामजद किया गया है। अपराधिक मामला एक पुराने भूमि विवाद और कथित फर्जी वसीयत से जुड़ा है, जिसमें



कर लिया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वसीयत में मृतक

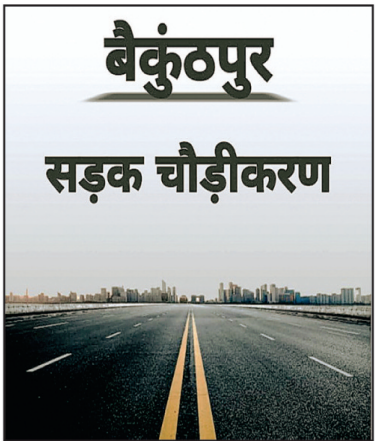
को निःसंतान बताया गया, जबकि उसके दो पुत्र थे और असली दस्तावेज पंजाबी भाषा में हस्ताक्षरित थे, जबकि कथित वसीयत में हिंदी हस्ताक्षर हैं। मामले में तत्कालीन तहसीलदार राजेन्द्र गुप्ता की भूमिका

विरोध किया। उन्होंने आशंका जताई कि जमानत मिलने पर आरोपी साक्ष्यों से छेड़छाड़ कर सकते हैं और शिकायतकर्ता को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामला केवल सिविल प्रकृति का नहीं है और केस डायरी में संलग्न साक्ष्य प्रथम दृष्टया एक सुनियोजित आर्थिक अपराध की ओर संकेत करते हैं। साथ ही यह भी कहा

जिस बहुप्रतीक्षित मांग को लेकर विधायक और सांसद नहीं कर पाये आवाज बुलंद उसके लिए केन्द्रीय परिवहन मंत्री से युवा नेता ने की मुलाकात

- » कोरिया जिले के बैकुंठपुर क्षेत्र के युवाओं द्वारा जिला मुख्यालय के सड़क चौड़ीकरण की वर्षों से की जा रही मांग
- » वोट बैंक की राजनीति कहें, या संबंधों का स्वार्थ, स्थानिय जनप्रतिनिधियों ने अभी तक नहीं की कोई ठोस पहल
- » केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के समक्ष समस्याओं के फोटो वीडियो के साथ दृढ़ता से रखी गई मांग
- » विभाजन के बाद जिला वैसे ही हुआ छोटा, चौड़ीकरण ना होने से शहर में जाने से कतराते हैं लोग
- » बैकुंठपुर के छोटे से हिस्से को पार करने में, जाम लगने पर लगता है घंटों का समय
- » स्थानीय युवा नेतृत्व सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लगातार उठाते रहे हैं आवाज



बैकुंठपुर
सड़क चौड़ीकरण

10 वर्षों से सड़क चौड़ीकरण की मांग

बैकुंठपुर के मुख्य मार्ग की चौड़ाई कम होने और क्षेत्र के अधिकाधिक जनता की प्रतिदिन की आवाजाही तथा भारी वाहनों के शहर में प्रवेश के साथ लगने वाली रोज की जाम की स्थिति को लेकर क्षेत्र के युवाओं ने स्थानीय स्तर पर इस शासनकाल में और इसके पूर्व विगत लगभग 10 वर्षों से सड़क चौड़ीकरण की मांग को प्रमुखता से स्थानीय नेताओं के समक्ष रखा। परंतु कोई ठोस पहल स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा अभी तक नहीं की गई थी। और इसको लेकर क्षेत्र के युवा काफी आक्रोशित हुए थे, जिसकी बागणी समय-समय पर सोशल मीडिया में देखने को मिलती रहती है। क्षेत्र के ही एक युवा नेतृत्व ने स्थानीय स्तर पर बात ना बनती देख केन्द्रीय स्तर पर सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और क्षेत्र की समस्याओं से उनके अवगत कराया। जैसा कि युवा नेता राहुल खस ने बताया की माननीय श्री नितिन गडकरी ने जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया है।

वोट बैंक की राजनीति कहें या संबंधों का स्वार्थ, स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने अभी तक नहीं की कोई ठोस पहल

यह सर्वविदित है कि बैकुंठपुर में मुख्य मार्ग में आए दिन जाम लगता रहता है, और परेशानियों से दो-चार होना पड़ता है। न केवल यह आम जनता की परेशानी है, बल्कि बैकुंठपुर में व्यापारी वर्ग को भी इससे जुझना पड़ता है। स्थिति यह है कि बैकुंठपुर का मुख्य बाजार भी मुख्य मार्ग पर ही है, और दुकानों के सामने यदि ग्राहकों की गाड़ियां खड़ी कर दी जाए तो चलना दुभर हो जाए और यह बहुत आवश्यक है कि छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों की तरह बैकुंठपुर के मुख्य मार्ग का भी चौड़ीकरण हो, ताकि समस्याओं से निजात पाया जा सके। परंतु पिछले 10-15 वर्षों से की जा रही इस मांग के संदर्भ में स्थानीय निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने और कांग्रेस भाजपा दोनों के विधायकों ने अभी तक कोई ठोस पर नहीं की थी। कारण यह माना जाता है कि दोनों ही पार्टी के नेताओं को इस बात की आशंका है कि चौड़ीकरण के कारण मुख्य मार्ग की कई सारी दुकानों को तोड़ना पड़ेगा और उनका वोट बैंक प्रभावित होगा। परंतु समस्याओं का निराकरण के लिए समय-समय पर युवा वर्ग आगे आता रहा है और उम्मीद है कि बहुत जल्द सड़क चौड़ीकरण की सौगत कोरियावासियों को मिलेगी।

-रवि सिंह-
कोरिया, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिला के जिला मुख्यालय बैकुंठपुर की सड़क चौड़ीकरण की मांग पहुंची नई दिल्ली। आप को बता दें भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता राहुल खस जी ने बैकुंठपुर की वर्षों से उठ रही मांग सड़क चौड़ीकरण को लेकर के केन्द्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी जी से मुलाकात की और जिला कोरिया के खरवत (एनएच 43) से भाड़ी चौक तक बैकुंठपुर शहर के मुख्य मार्ग चौड़ीकरण के कार्य की लम्बाई जो 15 किलोमीटर है), यह मार्ग कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर का मुख्य मार्ग है, जो खरवत चौक से कलेक्टर कार्यालय एवं जिला न्यायालय, बैकुंठपुर शहर तथा अन्य कार्यालय, बाजारों को आपस में जोड़ता है, पूर्व में यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 (कटनी गुमला) मार्ग का एक भाग था। दिन के समय यह अत्यंत व्यस्ततम मार्ग है। जिले के ग्रामीण कसबों में रहने वाले रहवासियों को अपने किसी भी कार्य के लिए इस मार्ग का उपयोग किया जाता है। वर्तमान में यह मार्ग 7 मीटर चौड़ाई होने के



कारण इस मार्ग में दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है। विशेषकर ओडगी चौक से भाड़ी चौक तक निरंतर जाम लगा रहता है। और दिन प्रतिदिन दुर्घटनायें व मृत्यु होते रहता है। भारी वाहनों टर्कों, बसों के गुजरने से यहाँ हमेशा जाम लगा रहता है। वर्तमान में इस मार्ग का चौड़ीकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। भाजपा युवा नेता राहुल खस ने हमारे अखबार के माध्यम से कहा की बैकुंठपुर की छोटी चीजों से लेकर के बड़ी चीजों की मांग वो रायपुर से लेकर के दिल्ली तक करते हुए और बैकुंठपुर के युवाओं और देवतुल्य जनता की समस्याओं का समाधान करते रहेंगे। राहुल खस जी ने आगे कहा की मैं राजनीति शौक के लिए करता हूँ, रोजी रोटी के लिए नहीं। जिस दिन मैं अपनी जनता और शहर का विकास नहीं कर पाऊँगा, उस दिन मैं राजनीति छोड़ दूँगा। खस जी ने बताया की नितिन गडकरी जी ने आश्वासन दिया है की जल्दी सड़क चौड़ीकरण को पास किया जायेगा। आप को बता दूँ की राहुल खस काफी कम उम्र 26 साल के युवा नेता हैं। अभी हाल ही में

इन्होंने कोरबा से लोकसभा का टिकिट मांग कर छत्तीसगढ़ में इतिहास रच दिया था, तथा बड़े नेताओं के नजर में आ गए थे। व कोरबा, बैकुंठपुर, चिरमिरी, कटघोरा, समेत 8 विधानसभा की जनता का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। राहुल खस अपने दम पर बैकुंठपुर से रायपुर और रायपुर से लेकर के दिल्ली तक के बड़े केन्द्रीय मंत्री से मिलते रहते हैं, व क्षेत्र के विकास के लिए लगातार उनके टच में हैं।, पूर्व केन्द्रीय मंत्री व वर्तमान मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी के बेटे श्री प्रबल प्रताप तोमर जी के काफी करीबी माने जाते हैं। तथा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के बहुत बड़े फैन हैं। वे अपना राजनितिक गुरु छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण सिंह देव जी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी, अजय जामवाल जी, व मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर जी के बेटे श्री प्रबल प्रताप तोमर (रघु) भैया जी को अपना आदर्श मानते हैं।

पीडीएस के अंतर्गत प्रचलित राशनकार्डों में दर्ज सदस्यों में से 717151 सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण



-संवाददाता-
सूरजपुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

भारत सरकार, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग द्वारा दिये गये निर्देशानुसार राज्य में एक राष्ट्र एक राशन कार्ड योजना अंतर्गत सभी हितग्राहियों को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न वितरण किया जाना है। जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत 246392 राशनकार्ड प्रचलित है। इन राशनकार्डों में 800040 सदस्य पंजीकृत है। इन सदस्यों में से 717151 सदस्यों का ई-केवाईसी पूर्ण हो गया है। 82889 सदस्यों का ई-केवाईसी शेष है। भारत सरकार द्वारा 05 वर्ष से कम उम्र के सदस्यों को ई-केवाईसी में छूट

दिया गया है। सभी उचित मूल्य दुकानों में संचालित ई-पॉस मशीन में ई-केवाईसी की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा जारी मेरा ई-केवाईसी एप के माध्यम से भी ई-केवाईसी कर सकते है। मेरा ई-केवाईसी एप के माध्यम से ई-केवाईसी करने हेतु एंड्रॉयड मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से एप डाउनलोड कर हितग्राही राज्य का चयन कर अपना आधार नंबर डालकर, आधार ओटीपी के माध्यम से फंस ई-केवाईसी कर सकते है। राशनकार्डों में पंजीकृत सभी जिन्होंने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराया है, ऐसे सभी हितग्राही किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु 30 जून, 2025 तक अपना ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करावें।

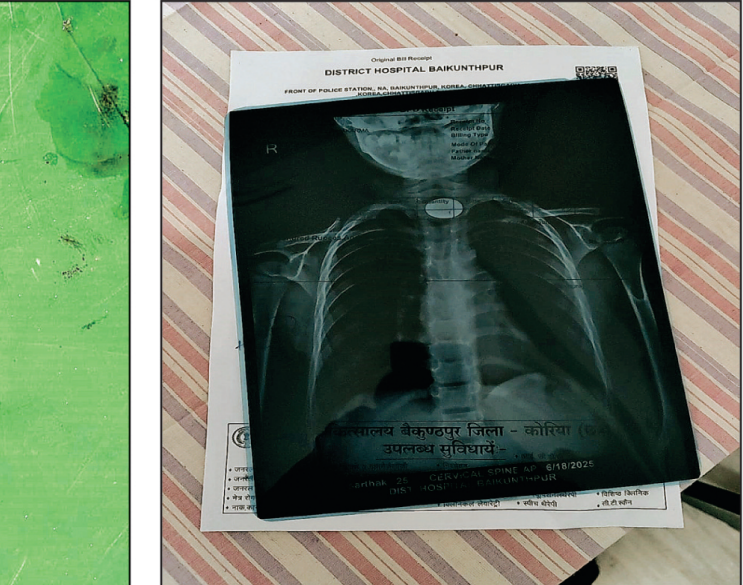
बच्चे के गले में फंसा सिक्का, बच्चे की बिगड़ी तबियत जिला अस्पताल में सफलतापूर्वक निकाला गया

फोन पर जानकारी मिलने के बाद सीएमएचओ ने तत्काल लिया संज्ञान, सिविल सर्जन आयुष जायसवाल एवं डॉ योगेंद्र चौहान की टीम ने काफी मशक्कत उपरांत सफलतापूर्वक निकाला सिक्का



-राजन पाण्डेय-
कोरिया, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

कहते हैं कि डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं और समय समय पर यह बात साबित होती रही है। ऐसी ही एक घटना देखने को मिली जिसमें सिविल सर्जन आयुष जायसवाल और डॉक्टर योगेंद्र चौहान ने एक बच्चे की जान बचा ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक



13 निवासी राजेश विश्वकर्मा के 7 वर्षीय पुत्र सार्धक ने अनजाने में खेलते समय एक सिक्का निगल लिया, जो उसके गले में जाकर फंस गया। बच्चे की तबीयत बिगड़ने पर नगर पालिका उपाध्यक्ष राजेश ने तत्काल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोरिया को फोन कर सूचना दी कि बच्चे की हालत बेहद नाजुक है और उसे तुरंत चिकित्सा की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही सी एमएचओ कोरिया के निर्देश पर सिविल



सर्जन व अधीक्षक डॉ. आयुष जायसवाल के मार्गदर्शन में डॉ. योगेंद्र चौहान एवं उनकी चिकित्सा टीम जिला अस्पताल, बैकुंठपुर लेकर आए बच्चे की तत्काल जांच कर उपचार शुरू किया। टीम की त्वरित कार्रवाई और दक्षता से गले में फंसे सिक्के को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। बच्चे की हालत अब स्थिर है। सीएमएचओ की अपील बच्चों को सिक्के या धातु से बनी चीजें न दे- इस घटना के बाद जिले के मुख्य चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने अभिभावकों से अपील की है कि वे छोटे बच्चों को सिक्का, पिन, सुई, कांच, छोटी गिट्टी या किसी भी प्रकार की छोटी वस्तुओं से दूर रखें, क्योंकि ये जानलेवा साबित हो सकती हैं। चिकित्सकों ने सलाह देते हुए कहा है कि छोटे बच्चों की निगरानी हमेशा रखें। ऐसी छोटी वस्तुएं बच्चों की पहुंच से दूर रखें। किसी आकस्मिक स्थिति में बिना देरी चिकित्सकीय सहायता प्राप्त करें।

बालको प्रबंधन के अवैधानिक कार्यों पर रोक लगाए प्रशासन: सांसद ज्योत्सना महंत आवागमन और जनजीवन को अवरुद्ध होने से बचाने मुख्यमंत्री को पत्र

-संवाददाता-
कोरबा/रायपुर, 19 जून 2025
(घटती-घटना)।

लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व जिला प्रशासन को पत्र प्रेषित कर कहा है कि भारत एल्युमिनियम कम्पनी लिमिटेड (वेदांता) बालको के द्वारा सेक्टर 6 मिनीमाता चौक के सामने पूर्व प्रचलित मार्ग को अवरुद्ध करते हुए बड़े झाड़ के जंगल में बाऊंड्रीवाल, ब्लीचिंग प्लांट, उंचे भवन का निर्माण हेतु संबंधित विभागों से अनुमति की प्रक्रिया हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, उक्त

निर्माण से सेक्टर-6 के पीछे श्रमिक बाहुल्य बस्ती नगर पालिक निगम के वार्ड क्रमांक 40-41 पाड़ीमार क्र. 01 के भद्रापारा, इंदिरा मार्केट, डुगुपारा, उपका मोहल्ला, गणेश नगर में हजारों परिवार का आवागमन अवरुद्ध होने की एवं व्यवसायियों को इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ेगा। उपरोक्त वार्ड के निवासी अपने कार्यों के लिए इस मार्ग का उपयोग कई वर्षों से करते आ रहे हैं। मोहल्ले के सभी वर्ग के बच्चों का स्कूल (प्राइमरी, हाई, हायर सेकण्डरी स्कूल) भी बालको नगर में स्थित है। सांसद ने मुख्यमंत्री सहित उप मुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री लखनलाल

देवांगन, टंकराम वर्मा, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत व पुलिस अधीक्षक, आयुक्त, वनमंडलाधिकारी सहित प्रबंधन टाउन एंड कंट्री प्लानिंग को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा की गई शिकायतों की प्रति प्रेषित कर कहा है कि वेदांता प्रबंधन द्वारा पूर्व में भी उक्त स्थल पर बाऊंड्रीवाल निर्माण हेतु नगर पालिक निगम कोरबा में अनुमति प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था, जिसमें उक्त भूमि बालको प्रबंधन की न होने व नजूल भूमि होने से तथा जन आक्रोश एवं भारी विरोध के कारण तत्कालीन जिलाधीश के द्वारा जनहित में बालको प्रबंधन के बेजा बाऊंड्रीवाल

निर्माण कार्य को प्रतिबंधित कर खारिज कर दिया गया था। उक्त भूमि बड़े झाड़ के जंगल व नजूल भूमि के अंतर्गत होने और सार्वजनिक सुखाधिकार के कारण बालको प्रबंधन को किसी भी प्रकार के निर्माण की अनुमति देना जनहित में उचित नहीं होगा। सांसद ज्योत्सना महंत ने जिलाधीश कोरबा को प्रेषित पत्र में कहा है कि स्थानीय लोगों के जन आक्रोश एवं भारी विरोध को देखते हुए जनहित में बालको के सभी आवेदनों को निरस्त करने एवं बालको प्रबंधन द्वारा बलात् किये जा रहे निर्माण कार्य पर अविलंब रोक लगाने की नितांत आवश्यकता है।



प्रतापपुर के युवा नेता नवीन जायसवाल को मिला छत्तीसगढ़ कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग में महत्वपूर्ण जिम्मा, मनेन्द्रगढ़ और कोरिया जिले का मिला प्रभार

-संवाददाता-
प्रतापपुर, 19 जून 2025 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर क्षेत्र के युवा नेता नवीन जायसवाल को छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पिछड़ा वर्ग विभाग में मनेन्द्रगढ़ और कोरिया जिलों का प्रभार सौंपा गया है। यह नियुक्ति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष केशव चन्द्रकर की अनुशंसा पर की गई है। इस अवसर पर नवीन जायसवाल को उनके क्षेत्र और संगठन से जुड़े नेताओं, कार्यकर्ताओं व शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है और यह नियुक्ति क्षेत्र के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। नवीन जायसवाल ने इस अवसर पर कहा कि वे संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए पिछड़ा वर्ग के हितों की रक्षा एवं संगठन को मजबूत करने के लिए पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि सीपे गए जिलों में संगठन को नई ऊर्जा देने का कार्य करेंगे। यह नियुक्ति एक बार फिर यह दर्शाती है कि कांग्रेस पार्टी योग्य एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने में विश्वास रखती है।



संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार

अम्बिकापुर, शुक्रवार 20 जून 2025

6

आयुक्त और उनके चहेते ठेकेदार की जोड़ी चिरमिरी नगर निगम में डाल रहे हैं डाका ?

क्या एक चहेते ठेकेदार बना चिरमिरी नगर निगम का अधोषित महापौर ?

महापौर और आयुक्त के बीच सामंजस्य ठीक नहीं,महापौर कार्यालय में बैठकर घंटों करते हैं आयुक्त का इंतजार:सूत्र

मेयर के निर्देशों का कर रहे हैं बार-बार अवहेलना,निगम चिरमिरी में कुछ अच्छा नहीं चल रहा...

मंत्री जी जो कहेंगे वह करूंगा ऐसा चल रहा है नगर निगम का कामकाज...

पूर्व विधायक के खास रहे एक ठेकेदार के नाम हो रहा कार्य आवंटित,सत्ता के खासम खास सिपहसालार भी किस सुमित के नाम पर कर रहे भ्रष्टाचार ?

कौन है ये सुमित...जिसकी मनमानी से निगम कर्मचारियों में असंतोष,बन रही विद्रोह की स्थिति ?

निगम कार्यालय में अब नहीं होते कार्य...सेंट्रल बैंक के पीछे बना नया कार्यालय.. नगर निगम आयुक्त से लेकर कई अधिकारी कर्मचारी करते हैं रातें रंगीन:सूत्र



-रवि सिंह-

चिरमिरी, 19 जून 2025 (घटती-घटना)।

नगर निगम चिरमिरी में भ्रष्टाचार चरम पर है एक ठेकेदार और आयुक्त की साठगांठ पूरे सिस्टम को अपने काबू में करके नियम विरुद्ध तरीके से

शासकीय राशि में डाका डालने का काम बदस्तूर जारी है,आयुक्त मेयर की भी नहीं सुनते,अपने चेवर में दिनभर सुमित को बैठा कर पता नहीं शहर विकास का कौन सा पैमाना सेट करते हैं की पूरा चिरमिरी शहर आज बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहा है..खबर यह भी है कि कई कार्यों को

जब महापौर आयुक्त को निर्देशित करते हैं तो उनके मुंह पर ही उक्त कार्य नहीं कर पाने की असमर्थता व्यक्त करते हैं नियमों का हवाला देकर काम टालने का प्रयास करते हैं, सरकारी नियमों के मुताबिक निगम में अधिकारियों पर अंकुश लगाने के लिए ही महापौर बनाए जाते हैं लेकिन

सर्व सुविधा युक्त नया कार्यालय जो पहुंचा वो ब्लैकमेल होना तय ?

खबर यह भी मिल रही है कि कई अधिकारियों के उस भव्य सर्व सुविधा युक्त नया कार्यालय में आओ भगत और सेवा सत्कार के लिए ठेकेदार अपने उक्त बंगले में रंगेरलियां के वीडियो भी बना लेता है कई इंजीनियर इसके गिरफ्त में है पूर्व सदस्य एक इंजीनियर जो इसके खिलाफ थाने में रिपोर्ट भी कराया कि मुझे नशे में रखकर किसने मेरा अश्लील वीडियो शूट कर मुझे अब फर्जी बिल और एस्टीमेट बनाने के लिए दबाव डाल रहा है इस पर खुल्लम-खुल्ला आरोप लगाया था क्योंकि अधिकारी अम्बिकापुर कथा और एक अच्छे रिपोर्टेड घर से संबंधित था ऊपर से बड़े दबाव के बावत यह चरित्रहीन ठेकेदार उक्त मामले को दबा दिया, लेकिन पता यह भी चला है कि यहां की कुछ फायदे अभी भी टेस्ट रिपोर्ट के नाम पर अम्बिकापुर जाती है जिसे या उसे अधिकारी से दबाव दिलाकर अपने गलत कार्य को करवाता है।

शांतिर ठेकेदार कल तक कांग्रेस पार्टी का कम खास था आज भाजपा की सरकार आते ही...

वैसे शांतिर ठेकेदार की आदत है की जो सत्ता में होता है वह उसका होजाता है पूर्व मंडल अध्यक्ष महोदय महापौर सीट के प्रबल दावेदार एवं एक डोमन हिल के शर्मा जी जो इन दोनों को शांतिर ठेकेदार गोद में लिए फिरते हैं वे लोग चाह कर भी इसे इसके स्थापित साम्राज्य से हटा नहीं पाए और खुद इसके आगे नतमस्तक होकर इसी के इशारों पर काम करने लगे हैं आखिर इससे पता चलता है कि शांतिर ठेकेदार की जड़ निगम में कितनी मजबूत हो चली है बड़े-बड़े लोग भी इसका बाल बांका नहीं कर पा रहे हैं सत्ता का शांतिर ठेकेदार कल तक कांग्रेस पार्टी का कम खास था आज भाजपा की सरकार आते ही कि जब जनप्रतिनिधि के आगे पूर्व लग जाता है तो उनका फोन भी रिसीव नहीं करता और उनके खिलाफ अनाप-शानाप बाजार में बात करके उन्हें बदनाम भी करता है यदि पूर्व जनप्रतिनिधियों के बारे में उसे अभी चर्चा की जाती है तो सबसे बड़ा आदमी उसी को और ऐसा करके सत्ता पक्ष लोगों को मोह लेता है इसके उदाहरण कई देखने को मिलेंगे।

चिरमिरी निगम में महापौर लाचार दिख रहे हैं आखिर आयुक्त को किसका संरक्षण मिल रहा है? यदि आयुक्त मनमानी करेंगे और ठेकेदार के इशारों पर नाचेंगे तो फिर क्या चिरमिरी की जनता के द्वारा चुने गए महापौर को इस्तीफा देना देना चाहिए? सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पंचू साहू

नामक एक कर्मचारी जो एक ठेकेदार के किसी कार्य को करने से इनकार कर दिया था यह व्यक्ति उक्त कर्मचारी का ट्रांसफर करवा दिया था,वैसे ही एक और कर्मचारियों का किसने ट्रांसफर करवा दिया इसके इस कृत्य से कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर

बताया कि यह हमेशा धमकता है कि उक्त काम को कर देना वरना पंचू साहू जैसा हाल करूंगा और अनाब सनाब तरीके से अवैध कार्य करने के लिए मजबूर करता है बहुत ही खूब कर्मचारियों का एक संगठन मुख्यमंत्री से मिलकर इस पूरे भ्रष्टाचार की शिकायत करने की मंशा रख रहा है।

जिला जेल बैकटुपुर का हुआ उच्च स्तरीय निरीक्षण,जिला एवम सत्र न्यायाधीश सहित जिलाधीश पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण।



गया कि सभी कैदियों को समय समय पर विधिक सेवाएं उपलब्ध कराएं जाएं जिससे उनके साथ कोई भेदभाव न हो, निरीक्षण के दौरान जिला जेल से संबंधित इफास्ट्रक्चर, बंदियों के लिए जेल में बने शौचालयों की स्थिति और साफ सफाई की भी समीक्षा की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला



-संवाददाता- बैकुंठपुर, 19 जून 2025 (घटती-घटना)।

जिला जेल बैकुंठपुर का उच्च स्तरीय निरीक्षण दिनांक 19 जून 2025 को किया गया,प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश, जिलाधीश कोरिया पुलिस अधीक्षक कोरिया ने गुरुवार सुबह जेल का निरीक्षण किया। यह जेल निरीक्षण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय के रिट पिटिशन सुकन्या संस्था विरुद्ध यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में पारित निर्णय के परिपालन में प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश मोहम्मद रिजवान खान, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी,पुलिस अधीक्षक श्री रवि कुमार कुर्र,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुशी साक्षी दीक्षित सचिव डीएलएसए श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा,विजिटर बोर्ड के अन्य सदस्यों के द्वारा जिला जिले बैकुंठपुर का निरीक्षण किया गया और यह जानकारी ली गई कि जिला जेल बैकुंठपुर में जातिगत भेदभाव या अन्य भेद भाव पूर्ण प्रथाएं अभी भी तो जेलों के अंदर नहीं हो रही हैं, निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश, जिलाधीश कोरिया ,पुलिस अधीक्षक कोरिया के द्वारा बंदियों को जेल में निरुद्ध रहने के दौरान मिलने वाले अधिकारों एवम मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली गई।यह भी सुनिश्चित किया

धीश कोरिया ने बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की, बंदियों से मिलकर उनकी समस्याओं से भी अवगत हुए साथ ही जेल में स्थापित लीगल एड क्लिनिक में उपलब्ध सुविधा एवं लीगल एड क्लिनिक के माध्यम से बंदियों को दी जाने वाली सुविधाओं का निरीक्षण किया, निरीक्षण में विजिटर बोर्ड के सदस्य, मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर प्रशांत सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार गुप्ता, उप संचालक समाज कल्याण आलोक भवाल, जिला रोजगार अधिकारी उमेश पटेल (डिप्टी कलेक्टर) एवं महाप्रबंधक जिला उद्योग एवम व्यापार केंद्र बैकुंठपुर एम बड़ा, विजिटिंग लायर अजय कुमार सिंह, उपस्थित रहे,एवं जेल अधिकार मित्र अजय राजवाड़े उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-अम्बिकापुर
प्रथम विधिया आगमंत्रण विधान क्र:-133
छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, वृत्त - अम्बिकापुर अंतर्गत अटल विहार योजना सरगंजा अम्बिकापुर अंतर्गत 03 एच.आई.जी. ईस्ट फेसिंग, 03 एच.आई.जी. वेस्ट फेसिंग एवं 07 सी.एन.एच.आई.जी. भवन (कुल 13 भवन) का शेष निर्माण कार्य हेतु निविदा दिनांक 09.07.2025 तक एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.cgghb.gov.in एवं <http://eproc.cgstate.gov.in> पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यालयन अम्बिका, सभाग - अम्बिकापुर के मो.नं. 9424209101 पर संपर्क करें।
उत्पासुक्त
जी नंबर-44257/2



टॉस्क फोर्स टीम ने रेत के अवैध परिवहन में संलग्न 14 वाहनों को किया जप्त

-संवाददाता- कोरबा, 19 जून 2025 (घटती-घटना)।

राज्य शासन के मंशानुसूप जिले में खनिजों के अवैध उखनन, परिवहन,भंडारण व विक्रय पर रोक लगाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा सतत कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में खनिजों के अवैध तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण लगाने हेतु गठित टास्क फोर्स

टीम द्वारा चिह्नकित संवेदनशील क्षेत्रों, रेत घाटों पर निगरानी रखते हुए नियमित क्षेत्र भ्रमण कर तस्करो पर कड़ी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा रेत के अवैध परिवहन की जांच के दौरान ग्राम बरमपुर सर्वगंमला क्षेत्र में 1 टिप्पर, कोरबा,कुसमुंडा,पाली क्षेत्र में 1-1 ट्रेक्टर, उरगा क्षेत्र में 2

ट्रेक्टर, 2 टिप्पर,कटघोरा क्षेत्र में 03 ट्रेक्टर, जिला(करतला) क्षेत्र में 3 ट्रेक्टर सहित कुल 14 वाहन रेत के अवैध परिवहन में संलग्न पाया गया। जिसे खनिज अधिनियम के तहत जप्त कर समीपस्थ थाना परिसर एवं खनिज जांच चौकी में आगामी आदेश पर्यन्त तक खड़ी कर खनिज नियमों के तहत आगे की कार्रवाही सुनिश्चित की जाएगी।

नयायातय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा छत्तीसगढ

ईशतहरा

लखनपुर दिनांक 5 06 2025

प्रति,

समस्त ग्रामवासी ग्राम-रजपुरीकसा तहसील -लखनपुर एतद् दुरा आम जनता को सुचित किया जाता है कि आवेदन ।आवेदिका मोहन राम आ स्व भगोली निवासी ग्राम रजपुरी कला तहसील लखनपुर के द्वारा अपने सास को हो जाने से जन्म -मृत्यु दिनांक 03/05/2025 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 एवं छ0ग0 जन्म -मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 3 के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 30-06 2025 को सुनवाई की जानी जानी है

आवेदन आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथी 30 06 2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार

नायब तहसीलदार तहसीलदार लखनपुर छ0ग0

सील

FORMAT OF TENDER NOTICE FOR PUBLICATION ON NEWS PAPERS
GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, WATER RESOURCES DIVISION No.1 AMBIKAPUR

e-Procurement Tender Notice

Main Portal : <http://cgeprocurement.gov.in>
WRD Portal : <http://wr.d.cgeprocurement.gov.in>

[FIRST - CALL] Corrigendum

No. 0 /SAC/2025-26 Date: 16-06-2025
The following portal modification are made. In the Tender invited vide N.I.T. No. 01/SAC/ of LABH TANK & CONSTRUCTION of C.C. CHANNEL. WHOSE "G" No. 252601454 Date- 09-06-2025.

S.No.	Amendments
1	In the G-Schedule Item No.- 2 may be read as Qty 18571.00 cum & Rate 224.14 per Cum instead of Qty 34194.87 cum Rate 121.73
2	In the G-Schedule Item No.3- may be read as Qty 162.00 cum & Rate 4292.14 per Cum instead of Qty 885.39 cum Rate 785.34

Note :- all othems and conditions will be remain and unchanged.

executive Engineer
Water Resources Division No.1
Ambikapur
For- Chief Engineer
Hasdeo Ganga Basin. W.R.
Deptt. Ambikapur (C.G.)
AMBIKAPUR, Dated...16.06.2025

जी नंबर-252601621/3

यातायात पुलिस द्वारा बिना नंबर की गाड़ियों पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता- कोरबा, 19 जून 2025 (घटती-घटना)।

कोरबा जिले में ट्रैफिक पुलिस द्वारा बिना नंबर प्लेट वाहनों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत पिछले दो दिन में और 193 गाड़ियों पर मोटरयान अधिनियम की धारा 55/177 के तहत चालानी कार्रवाई की गई। अब तक इस अभियान के तहत कुल 256 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए ₹76,800/- का समन शुल्क वसूला गया है। इस अभियान के दौरान वाहनों के इंजन नंबर,चेचिस नंबर तथा वैध दस्तावेजों की जांच के उपरांत वैन नंबर कार्रवाई की गई। बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों का



अपराधिक गतिविधियों (जैसे चोरी, लूट आदि) में उपयोग होने की आशंका को ध्यान में रखते हुए

यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कोरबा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है की बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है बल्कि ऐसे वाहन अपराधियों को छुपाने और अपराध को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, जिससे शहर की कानून व्यवस्था प्रभावित होती है। कोरबा पुलिस नागरिकों से आग्रह करती है कि अपने वाहनों पर वैध नंबर प्लेट अनिवार्य रूप से लगावाएं साथ ही यातायात नियमों का पालन कर स्वयं सुरक्षित रहें व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग

बलरामपुर वनमण्डल बलरामपुर

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता हैं कि बलरामपुर वनमण्डल के अंतर्गत काष्ठगार वाडुनगर में रखी इमारती लकड़ी/जलाऊ काष्ठ को निम्नलिखित तिथि व समय में ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवे ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठगार वाडुनगर से प्राप्त कर सकते हैं

डिपो का नाम -काष्ठगार वाडुनगर

नीलामी दिनांक 25-06-2025

समय-प्रातः 09:00 बजे से

क्र0	व्नोपज का विवरण	नया काष्ठ		पुराना काष्ठ	
		लट्टा	बल्ली/डेंगरी	लट्टा(घ0मी0)	बल्ली/डेंगरी
		घ0मी0	नग		नग
1	2	3	4		5
इमारती काष्ठ					
1	सागौन	-	-	245.089	1439
2	साल	414.219	-	1070.642	269
3	साजा	11.914	-	-	12
4	तिस्रा	-	-	-	-
5	बीजा,शोशम,खम्हार	0.203	-	10.613	755
6	हल्लु,मुडी,बांसा	-	-	22.765	2
7	धावड़ा	-	-	-	-
8	अन्य,नीलगिरी	92.494	307	-	263
9	सलया	-	-	-	-
10	सेमल	-	-	-	-
11	खैर काष्ठ	10.078	-	-	-
	योग:-	528.908	307	1349.109	2740
प्रजाति विवरण					
1	जलाऊ चट्टा मिश्रित प्रजाति सा. 2.00 मी0 X1.25X0.80 मी0	0 चट्टा		765.5 चट्टा	

टोप :-1. क्रेता को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राइज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सकल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत इंस्टामेंट0डी0 की राशि जमा करना अनिवार्य है।
3. लाट की थर्पी एवं फोटो एम0एस0टी0सी0 ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आई0डी0 से लांग इन करके देख सकते हैं।

वनमण्डलाधिकारी
बलरामपुर वनमण्डल, बलरामपुर

जी नंबर-252601593/3

अगले महीने से भूमि खरीदनेवालों को बड़ा झटका



छत्तीसगढ़ में 1 जुलाई से बढ़ेंगी जमीन की सरकारी गाइडलाइन दरें

राजस्व में होगी वृद्धि

रायपुर, 19 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में जमीन की खरीद-बिक्री करने वालों के लिए बड़ी खबर है। राज्य सरकार 1 जुलाई 2025 से जमीन की नई सरकारी गाइडलाइन दरें लागू करने जा रही है। पंजीयन विभाग ने प्रदेश के

सभी 33 जिलों में मौजूदा जमीन की बाजार दरों का क्षेत्रवार सर्वे पूरा कर लिया है। इस सर्वे के आधार पर जिलेवार और क्षेत्रवार मूल्य विश्लेषण कर नई दरें तय की जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार, नई गाइडलाइन दरों के लागू होने से पूरे राज्य में जमीन की कीमतों में औसतन 10-15व और

रायपुर के 50 किलोमीटर के दायरे में 20-25 तक की वृद्धि होने की संभावना है। यह बदलाव आठ साल बाद हो रहा है, क्योंकि पिछली बार 2017 में गाइडलाइन दरें निर्धारित की गई थीं। नई दरों से सरकार को पंजीयन से मिलने वाले राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है।

मसूरी से प्रशिक्षण प्राप्त 13 आईएएस अधिकारियों ने अपना अपना पदभार ग्रहण किया

रायपुर, 19 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ शासन के जिन राजपत्रित 13 अधिकारियों को आईएएस अवार्ड कर दिया गया है वे अखिल भारतीय आईएएस अकेडमी मसूरी से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौट आए हैं इसके पश्चात अपना अपना पदभार ग्रहण कर रहे हैं।



सहायक शिक्षक विज्ञान पद पर समायोजन के लिए काउंसिलिंग शुरू



रायपुर, 19 जून 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा बीएड सहायक शिक्षकों का सहायक शिक्षक (प्रयोगशाला) के पद पर समायोजन के निर्णय के बाद सहायक शिक्षकों की काउंसिलिंग 17 जून से शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 26 जून तक चलेगी। छत्तीसगढ़ में 2023 में सीबी भर्ती के माध्यम से चयनित एवं बीएड अहता के कारण सेवा से हटाए गए सहायक शिक्षकों का यह काउंसिलिंग रायपुर के शासकीय शिक्षा महाविद्यालय शंकर नगर में चल रही है। काउंसिलिंग प्रतिदिन सुबसे 10:00 बजे से प्रारंभ होगी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का बड़ा फैसला



अब कोर्ट रूम में नहीं ले जा सकेगे मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, आदेश जारी

बिलासपुर, 19 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट रूम में अब मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मनीष कुमार ठाकुर ने आदेश जारी किया है। निर्देश की अनदेखी पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

होटल पेट्रेशियन में पुलिस ने की छापेमारी



लड़कों ने होटल में बुलाया था बंगाल की वलब डांसर्स को, बिलासपुर पुलिस की रेड

बिलासपुर, 19 जून 2025(ए)। बिलासपुर-रायपुर रोड स्थित होटल पेट्रेशियन होटल में बुधवार की रात पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान कोलकाता की दो लड़कियां मिलीं। वहीं, चार युवक शराब और हुका पीते पकड़े गए। हालांकि, पुलिस ने पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया है। वहीं, होटल प्रबंधन पर कोटापा अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए नोटिस जारी किया गया है। मामला सिरिगट्टी थाना क्षेत्र का है।

महिला पार्षद का बेटा रेप केस में गिरफ्तार, पीड़िता हॉस्पिटल में भर्ती



रायगढ़, 19 जून 2025(ए)। जिले में महिला पार्षद के बेटे ने 7 साल की बच्ची से रेप किया है। पड़ोस में रहने वाली बच्ची को आरोपी बहला-फुसलाकर सुनसान मकान पर ले गया, वहां उससे रेप की वारदात को अंजाम दिया। मामला खरसिया चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक खरसिया नगर पालिका की महिला पार्षद के आरोपी बेटे का नाम तेंदुलकर सहस्र (24) है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। बच्ची की हालत फिलहाल ठीक है।

कवासी लखमा से मिलने सेंट्रल जेल पहुंचे पूर्व सीएम भूपेश बघेल

बोले...व्यक्तिगत दुश्मनी के तौर पर व्यवहार कर रही सरकार...

रायपुर, 19 जून 2025(ए)। चर्चित शराब घोटाला मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी मामले में 15 जनवरी से पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा जेल में बंद हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज यानी 19 जनवरी को रायपुर के सेंट्रल जेल पहुंचे, जहां कवासी लखमा और विजय भाटिया से मुलाकात की। दोनों के अस्वस्थ होने पर बघेल ने चिंता जताई। बता दें कि इससे करीब 5 महीने पहले भी जेल में भूपेश बघेल कवासी लखमा से मिलने गए थे। लखमा से मिलने के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कोर्ट के आदेश के बाद भी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं कराने आरोप लगाया। उन्होंने कहा, समय बदलते देर नहीं लगता।



साथ ही यह भी कहा कि सरकार व्यक्तिगत दुश्मनी के तौर पर व्यवहार कर रही। जेल में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं कराना अमानवीय और निंदनीय है। बता दें कि इंडी ने कुल मिलाकर शराब घोटाले में कुल 6

अटैच की है। इंडी ने जिन संपत्तियों को अटैच किया है उनमें सुकमा में बना कांग्रेस का राजीव भवन भी शामिल है। लखमा फैमिली की साढ़े 5 करोड़ की संपत्ति और सुकमा कांग्रेस दफ्तर की 68 लाख की संपत्ति को इंडी ने अटैच किया है। कवासी लखमा को इंडी ने शराब घोटाले में कमीशन लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इससे पहले कवासी लखमा और उनके बेटे से इंडी ने लंबी पूछताछ की थी। इंडी ने सारी जानकारी हासिल करने के बाद घोटाले में अवैध रूप से की गई कमाई और उससे खरीदी गई संपत्तियों को जब्त किया है। इंडी की जांच में कवासी लखमा पर 72 करोड़ रुपए का कमीशन लेने का भी आरोप लगा है।

टीटीई को मिला मशीन, ट्रेन में फर्जी आधार कार्ड दिखाने वाले पकड़े जाएंगे



बिलासपुर, 19 जून 2025 (ए)। अब ट्रेन में सफर के दौरान अगर कोई फर्जी आधार कार्ड दिखाएगा, तो वो आसानी से नहीं बच पाएगा। रेलवे ने तय किया है कि चलती ट्रेन में टीटीई (ट्रेवलिंग टिकट एग्जामिनेर) अब आधार कार्ड की जांच भी कर सकेगा। रेलवे की ओर से टीटीई को 'एम-

आधार' मोबाइल ऐप का एक्सेस दिया जा रहा है, जिससे वे यात्री का आधार कार्ड स्कैन कर उसकी असली पहचान की जांच कर सकेंगे। यह ऐप यूआई-डीएआई द्वारा बनाया गया है, जो बिना इंटरनेट के भी काम करता है। इस ऐप से आधार कार्ड के क्यूआर कोड को

स्कैन करते ही यात्री का नाम, फोटो, जन्मतिथि और पता मोबाइल स्क्रीन पर दिख जाएगा। इससे टीटीई तुरंत पहचान सकता है कि आधार असली है या नहीं। अगर शक हुआ तो फर्जीबाड़ा करने वाले यात्री को तुरंत जीआरपी के हवाले किया जाएगा और उस पर कार्रवाई होगी।

कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया गिरफ्तार, शराब घोटाले में एसीबी की कार्रवाई

रायपुर, 19 जून 2025(ए)। झारखंड एसीबी ने छत्तीसगढ़ के शराब कारोबार से जुड़े कारोबारी सिद्धार्थ सिंघानिया को गिरफ्तार कर लिया है। पुछता सूचना के मुताबिक, झारखंड एसीबी की टीम ने सिद्धार्थ सिंघानिया को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया है। जिसके बाद ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे रांची की

कोर्ट के पेशी के लिए लाए जाने की तैयारी की जा रही है। सिद्धार्थ के खिलाफ पिछले दिनों गिरफ्तारी वारंट हासिल किया था। इससे पहले एसीबी ने निर्लंबित अधिकारी विनय कुमार चौबे के करीबी और नेक्सजेन के मालिक विनय कुमार सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट वारंट लिया था।

सराफा व्यापारी से अश्लील वीडियो बनाकर 2 करोड़ की वसूली, पति-पत्नी गिरफ्तार, 1.65 करोड़ की संपत्ति जब्त

दुर्ग, 19 जून 2025(ए)। जिले में एक चौकाने वाला ब्लैकमेलिंग का मामला सामने आया है, जिसमें एक सराफा व्यापारी को अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेल कर 2 करोड़ रुपये की उगाही की गई। वैशाली नगर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दंपति



नीलिमा यादव उर्फ नीलम लहारे और उनके पति आनंद यादव को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1.65 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है, जिसमें नकदी, सोने-चांदी के गहने, बंगला, कार और अन्य सामान शामिल हैं।